एसआरईएस ॐ एनएफआईआर

एसआर ईएस

केंद्रीय कार्यालय पेरंबूर - चेन्नै

2017 में नव वर्ष,पोंगल और गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ।

प्रिय श्रमिक भाइयों और बहनों के लिए नव वर्ष ,पोंगल और गण तंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।आप सब जानते होंगे की सातवाँ वेतन आयोग गठित करने के अतिरिक्त , वाद विवाद, चर्चा करके तथा कई तरह के संघर्ष , हडताल आदि आयोजित करके कई आदेशों को प्राप्त करने का श्रेय एसआरईएस एनएफ आईआर को है , लेकिन सातवाँ वेतन आयोग में होने वाले कई श्रमिक विरोध सिफारिशों को संशोधित करने में केन्द्र सर कार द्वारा कुछ भी कदम नहीं उठाया जाने के विरुद्ध एसआरईएस - एनएफ आईआर लगातार विभिन्न प्रकार के आंदोलन चला रहा है।

एसआरईएश एनएफआईआर के कई आंदोलनों में कुछ अँश

1.दास कमिटी द्वारा छे महीने में एक बार महंगाई भत्ता प्राप्त करवाया गया।

2.1979 में बोनस नीति को लागू करके सब को बोनस प्राप्त करने के साथ साथ , 2006-07 में रुपये 2301 बोनस अरीयर्स, . 2014 -15 के लिए वर्ष 2016 में रुपये 8976 अरियर्स प्राप्त करवाया गया।

3. जिनको पदोन्नति नहीं प्राप्त हुई, उनके लिए दस साल में एक बार सीआरसी द्वारा पदोन्नति प्राप्त करवाया गया।

4.1954 में पेंशन ,परिवार पेंशन को लागू करके सभी रेलवे श्रमिक पेंशनदारों को नया जीवन दिलाया गया।

5. एचआरए, इन्सेंटिव तथा ओटी अलवंस और त्योहार जैसी कई अलवंसों को प्राप्त करवाया गया।

6. सभी रेलवे कर्मचारियों को एसी कोच में यात्रा करने का अधिकार प्राप्त करवाया गया।

7. लार्सजेस योजना के द्वारा कई वारिसों को नौकरी प्राप्त करवाया गया।

8. शिशुपालन छुट्टी, छुट्टी एनकेशमेंट, विकलांगो के लिए 4 दिन विशेष आकस्मिक छुट्टी प्राप्त करवाया गया। 9.एमएसीपी द्वारा . तीन अपग्रेडेशन प्राप्त करवाया गया।

10.कनिष्ठ कर्मचारियों को जेई,एएसएम,बुकिंग क्लार्क,तकनीशियन, टीसी जैसे पदों को प्राप्त होने का मार्ग बनवाया गया।

7वाँ वेतन आयोग के खराब सिफारिशों को सुधार नही करने वाले केन्द्र सरकार को खंडन करते हुए जुलाई 11से देश भर हडताल करने के लिए तैयार रहने की स्थिति में, जुलाई 1 को एसआरएमयू के महा सचिव नें हडताल वापस होने की घोषणा करके सभी श्रमिकों के विरुद्ध अन्याय और कर्मचारी सघों के इतिहास में काला निशान लगा लिया था। परंतु एसआरईएस तथा एनजेसीए द्वारा चलाए गए निरंतर आंदेलनों के कारण और केन्द्रीय मंत्रियों से हुई बात चीत के कारण , सरकार द्वारा चार समितियाँ गठित करके 4 महीनों के अंदर कार्रवाई करने के लिए सहमति देने के बावजूद, इस विषय में कोई भी प्रगति नहीं हुई है।

नवंबर 9,10 और 11 को गुवाहाटी में पारित संकल्पों को माननीय रेल मंत्री और माननीय प्रधान मंत्री को भेजा गया था।

निम्नलिखित मांगो को पूरा करने के लिए दिसंबर 12.12.16 से 16.12.6 तक एसआरईएस एनएफआईआर ने खंडन बैठक और हंगर फास्ट चलाया है ----

1. न्यूनतम वेतन रुपये 26000 प्रदान करो।
2. वेतन फिटमेंट को 2.7 से 3.7 बढाओ।
3. एचआरए 30 % 20% और 10% और अन्य अलवंस और अड्वांस को बढाओ।
4. नई पेंशन योजना को रद्द करो।
5. एफ डीआई और पीपीपी निजीकरण को हटाओ।
6. पदोन्नति , एसीपी और वेतनवृद्धि पाने के लिए लगाई गई नई बाधाओँ को हटाओ।
7. वारिस और ऐक्ट अप्रेंटीस के लिए रेलवे में नौकरी दो।
8. इंसेंटिव और ओटी अलवंस को बढाकर प्रदान करो।
9. आयकर सीलिंग को तुरंत बढाओ।
10. ट्रेक मेंटेनरों को हर माह रिस्क अलवंस रुपये 2700 और हर वर्ष वर्दी अलवंस रुपये 5000 प्रदान करो।

रेलवे कर्मचारियो ,सेवानिवृत्त पेंशनदारों के लिए सातवाँ वेतन आयोग की सिफारिशें धोखा होने की बात को अँश वार प्रकाशित करके केन्द्र सरकार को अपना खंडन दिखाया।

केन्द्र सरकार मेक इन इंडिया के नाम पर विदेशी एकाधिपत्य के लिए रेलवे विभाग को दान में देने वाले केन्द्र सरकार की इस कार्य को पूरी तरह खंडन करते हैं।

कई प्रकार की बातों को संभव बनाने वाले रेलवे को भूलकर , विदेश से1000 एसी लोको, 800 डीज़ल लोको का उत्पादन करवाके भेजने का सरकारी कार्रवाई का खंडन करते हैं

अगले दस वर्ष के रखरखाव के लिए की गई समझौतों को तुरंत रद्द करने के लिए एसआरईएस एनएफआईआर मांग प्रस्तुत करता है।

रुपये 500 और 1000 को विमुद्रीकृत करने का सरकार की घोषणा और उसके कारण हर रोज परेशानियों का सामनाकरने वाले श्रमिक

रुपये के लिए श्रमिकों द्वारा अनुभव किए जानेवाली परेशानियों का हल करने के लिए नवंबर महीने में रुपये दस हजार अग्रिम के रूप में देने के लिए, एसआरईएस एनएफ आईआर ने मांग पेश किया, जिसके कारण अग्रिम भी प्राप्त हुआ। लेकिन दिसंबर महीने में भी इसीकारणों से पच्चीस हजार रुपये अग्रिम के रूप ये में देने के लिए जीएस एनएफआईआर द्वारा रेलवे बोर्ड को पत्र लिखने पर भी अग्रिम नहीं दिया गया है।

रुपये का मामला नार्मल होने तक छः महीने के लिए प्रति माह रुपये पच्चीस हजार अग्रिम को, नकद के रूप में कर्मचारियों के हाथ में देने के लिए एसआरईएस एनएफआईआर मांग पेश करती है।

नीति चाहिए एससीएल तथा निवारण राशि तुरंत चाहिए

दिसंबर 5 को तमिलनाडु के माननीय मुख्य मंत्री के देहांत हो ने के कारण सभी का र्यालयों व स्कूल व कालेजों को अ वकाश घोषित करके, रेलवे मात्र के लिए प्रतिपूरक छुट्टी घोषित करने में न्याय क्या है। ? एसआरईएस सब को एससीएल प्रदान करने की मांग प्रस्तुत करता है।

12.12.2016 को वार्दा तूफान के कारण रोड और रेल यातायात स्तंभित होने पर 13.12.16 को कुछ क्षेत्रों में रेलवे मात्र को प्रतिपूरक छुट्टी प्रदान करना कैसा न्याय है? क्या यह ठीक है?

लेकिन आईसीएफ प्रशासन नें 13.12.16 के लिए सबको प्रतिपूरक छुट्टी प्रदान करके आदेश जारी किया है सबूत सीपीओ आईसीएफ पत्र सं.पीबी/ एलडब्यू 246/ XIV दिनांक 21.12.16

आईसीएफ को एससीएल और दक्षिण रेलवे को कोई अन्य दिन में कमिक्या इसके लिए एक अगीकृत यूनियन की आवश्यकता?है

अतः 12.12.16 और 13.12.16 को नौकरी में अनुपस्थित सभी कर्मचारियों को एससीएल और पुरस्कार और नकद रुपये 20000 को प्रदान करने के लिए प्रस्तु त मांगो के आधार पर आदेश जारी करने के लिए एसआरईएस एनएफआईआर, महा प्रबंधक दक्षिण रेलवे को जोर दे रही है।

*** सातवाँ वेतन आयोग सिफारिशों को कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत वेतन नियतन विकल्प के आधार पर वेतन नियतन करने के लिए रेलवे बोर्ड द्वारा दिए गए संशोधित आदेशको लागू करो।**

*** 1.9.16 प्रभावी से तकनीशियन के लिए सीआरसी अपग्रेडेशन आदेश को तुरंत लागू करो।**

*** सातवाँ वेतन आयोग का वेतन नियतन चार्ट को तुरंत जारी करो।**

*** सेवानिवृत्त होनेवालों को20 ग्राम सोनेका मुलाम लगाया गया सिक्का प्रदान करो।**

*** अर्बन बैंक के लिए ऋण इन्स्टलमेंट और ब्याज को वेतन में वसूल करना तुरंत बंद करो।**

*** पेरंबूर रेलवे स्टेडियम और रेलवे संस्थान में रहनेवाले सभी नीति विरुद्ध कार्यों को हटाओ।**

अंगीकृत संघों के अत्याचारों को रोकने में ढीलापन दिखानेवाले प्रशासन का खंडन करते हैं।

दक्षिण रेलवे में चयन, पदोन्नति,स्थानांतरण,आवास, आबंटन में होनेवाले रेट संस्कार को बंद करके कर्चमारियों की रक्षा करो।

इंजीनियरी कर्मचारियों को 8 घंटे काम,समपार में विश्राम कक्ष,पीने का पानी, बिजली,शौचालय सुविधा प्रदान करने वाले रेलवे बोर्ड के आदेशों को तुरंत लागू करो।

न्यायपूर्वक मांगो को हासिल करने, कर्मचारियों और रेलवे को बचाने, वर्ष 2017 में एक होकर लडने का शपथ लेंगे और खोए हुए अधिकारों को पुनः हासिल करेंगे।

डॉ. एम. राघवय्या
अध्यक्ष एसआरईएस एवं
महासचिव एनएफआईआर

पी. एस. सूर्यप्रकासम
महासचिव एसआरईएस एवं
संयुक्त महा सचिव एनएफआईआर

Circular No 791
Date : 31.12.2016
More details visit nfirindia.org / sresindia.org